रेणुकाष्टक मराठी श्रीविष्णुदासकृत

{॥ रेणुकाष्टक मराठी श्रीविष्णुदासकृत ॥} श्रीगणेशाय नमः । लक्ष-कोटि-चण्डकीर्ण-सुप्रचंड विलपती । अंब चंद्रवदनबिंब दीप्तीमाजि लोपती । सिंह-शिखर-अचलवासि मूळपीठ नायिका । धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका ॥ १॥

आकर्ण अरुणवर्ण नेत्र श्रवणीं दिव्य कुंडले। डोलताति पुष्पहार भार फार दाटले। अष्टदंडि बाजुबंदि कंकणादि मुद्रिका। धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका॥२॥

इंद्रनीळ-पद्मराग-पाचहीर वेगळा। पायघोळ-बोरमाळ-चंद्रहार वेगळा। पैंजणादि भूषणेच लोपल्याति पादुका। धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका॥ ३॥

इंद्र-चंद्र-विष्णु-ब्रह्म-नारदादि वंदिती। आदि-अन्त ठावहीन आदिशक्ति भगवती। प्रचंड चंडमुंड खंडविखंडकारि अंबिका। धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका ॥४॥

पर्वताग्रवासि पक्षि अंब ! अंब ! बोलती । विशाल शालवृक्ष रानीं भवानि ध्यानि डोलती । अवतार कृत्यासार जड-मुडादि तारका । धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका ॥ ५॥

अनंत ब्रह्मांड पोटि पूर्वमुखां बैसली। अनंतगुण अनंतशक्ति विश्वजननि भासली। सव्यभागि दत्त-अत्रि वामभागि कालिका। धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका॥६॥

पवित्र मातृक्षेत्र धन्य वास पुण्य आश्रमीं। अंबदर्शनास भक्त अभक्त येति आश्रमीं। म्हणूनि विष्णुदास निजलाभ पावला फुका॥

धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका ॥७॥

॥ श्रीरेणुकार्पणमस्तु ॥

http://www.youtube.com/watch?v=j9\-GT6tls3s

Encoded and proofread by Kaushal S. Kaloo kaushalskaloo at gmail.com

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

Last updated নৃoday

http://sanskritdocuments.org

```
Renuka Ashtakam in Marati ( By Vishnudas ) Lyrics in Devanagari PDF
% File name: reNukAaShTakaVishnudasMarathi.itx
% Category: aShTaka
% Location : doc\ devii
% Author: Vishnudas
% Language: Marathi
% Subject: philosophy/hinduism/religion
% Transliterated by: Kaushal S. Kaloo kaushalskaloo at gmail.com
% Proofread by : Kaushal S. Kaloo kaushalskaloo at gmail.com
% Description-comments: http://www.youtube.com/watch?v=j9\ GT6tIs3s
% Latest update: June 22, 2013
% Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
% Site access: http://sanskritdocuments.org
% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study
% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of
% any website or individuals or for commercial purpose without permission.
% Please help to maintain respect for volunteer spirit.
%
```

We acknowledge well-meaning volunteers for <u>Sanskritdocuments.org</u> and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.

Please check their sites later for improved versions of the texts.

This file should strictly be kept for personal use.

PDF file is generated [December 11, 2015] at Stotram Website